DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 September, 2024

भारत का शुक्र ऑर्बिटर मिशन

संदर्भ: *हाल ही में भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसरो के पहले शुक्र मिशन को मंजूरी दी, जिसे 2028 में लॉन्च करने की योजना है।*

अवलोकन:

- शुक्र ऑर्बिटर मिशन के लिए कुल स्वीकृत बजट 1,236 करोड़ रुपये है, जिसमें से 824 करोड़ रुपये अंतरिक्ष यान विकास के लिए आवंटित किए गए हैं।
- यह 2013 में प्रक्षेपित मंगल ऑर्बिटर मिशन के बाद भारत का दूसरा अंतर-ग्रहीय मिशन होगा।
- मिशन में प्रयोग अंतरिक्ष यान, जो शुक्र की परिक्रमा करेगा, ग्रह की सतह, वायुमंडल और आयनमंडल तथा सूर्य के साथ उसकी अंतःक्रिया का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिक उपकरण ले जाएगा।

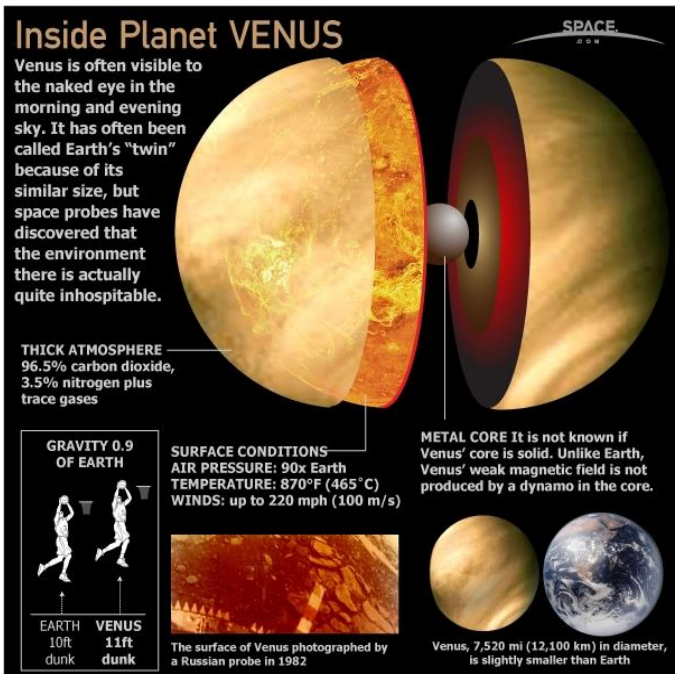

शुक्रयान 1 (शुक्र ऑर्बिटर मिशन)

- **प्रकार:** इसरो का शुक्र ग्रह पर पहला मिशन।
- **वजन:** 2,500 किलोग्राम.
- **प्रक्षेपण यान:** जीएसएलवी एमके II.
- **उपकरण:**
  - ✓ उच्च-रिज़ोल्यूशन सिंथेटिक एपर्चर रडार
  - ✓ भू-भेदी रडार

शुक्रयान 1 प्रक्षेपण का उद्देश्य

- **भूवैज्ञानिक संरचना विश्लेषण :** शुक्रयान 1 शुक्र की भूगर्भीय संरचना की जांच करेगा तथा विषैले बादलों से अस्पष्ट उसके भूगर्भीय इतिहास के बारे में जानकारी प्रदान करेगा।
- **सतह और वायुमंडल परीक्षण :** इस मिशन का उद्देश्य शुक्र के घने वायुमंडल में प्रवेश कर सतह के रहस्यों को उजागर करना, अपक्षय, क्षरण और भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं की समझ को बढ़ाना है।
- **सौर विकिरण अंतःक्रिया :** यह मिशन यह पता लगाएगा कि सौर विकिरण सतह के कणों के साथ किस प्रकार अंतःक्रिया करता है, जिससे ग्रहों के विकास के बारे में ज्ञान में योगदान मिलेगा।

शुक्रयान 1 का महत्व

- **शुक्र को समझना :** यह मिशन शुक्र की स्थितियों के बारे में बहुमूल्य डेटा उपलब्ध कराएगा तथा पृथ्वी के अतीत और संभावित भविष्य के साथ इसकी तुलना करेगा।
- **जीवन की संभावनाओं की खोज :** शुक्र के बादलों में फॉस्फीन की उपस्थिति ने इसके ऊपरी वायुमंडल में सूक्ष्मजीवी जीवन की संभावना में रुचि पैदा कर दी है।

शुक्रयान 1 की चुनौतियाँ:

- **अत्यधिक तापमान :** औसत सतही तापमान 460°C से अधिक होने के कारण, अंतरिक्ष यान की सामग्री को अत्यधिक गर्मी का सामना करना होगा।
- **संक्षारक स्थितियां :** सल्फ्यूरिक अम्ल की वर्षा अंतरिक्ष यान की सामग्री को नष्ट कर सकती है, जिससे डिजाइन और स्थायित्व जटिल हो सकता है।
- **संचार कठिनाइयाँ :** घना वायुमंडल और परावर्तक बादल पृथ्वी के साथ संचार में बाधा डालते हैं, जिससे मिशन संचालन जटिल हो जाता है।
- **वायुमंडलीय दबाव :** शुक्र ग्रह पर वायुमंडलीय दबाव पृथ्वी के दबाव से 90 गुना अधिक है, जो लैंडर्स और रोवर्स के लिए चुनौतियां उत्पन्न करता है।
- **बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याएं :** घने बादलों के कारण सौर पैनलों के लिए सूर्य का प्रकाश सीमित हो जाता है, जिससे रेडियोआइसोटोप थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होती है।

शुक्र ग्रह पर अन्य वैश्विक मिशन

- **अकात्सुकी (2010) :** JAXA द्वारा प्रक्षेपित यह ऑर्बिटर इन्फ्रारेड कैमरों का उपयोग करके वायुमंडलीय परिसंचरण पैटर्न का अध्ययन करता है।
- **मैगेलन (1989) :** नासा के मिशन ने रडार का उपयोग करके शुक्र की सतह का मानचित्रण किया, तथा विस्तृत भूवैज्ञानिक जानकारी प्रदान की।
- **वेनेरा श्रृंखला (1961-1984) :** सोवियत संघ के अग्रणी मिशनों में फ्लाईबाई, ऑर्बिटर और लैंडर शामिल थे।
- **पायनियर वीनस (1978) :** इस मिशन में एक ऑर्बिटर और एक मल्टीप्रोब शामिल थे, जो वायुमंडलीय संरचना और सतह की विशेषताओं का अध्ययन कर रहे थे।
- **ज़ोंड 1:** एक सोवियत अंतरिक्ष यान जो 1964 में शुक्र ग्रह के पास से उड़ान भरकर आया था, उसने अपनी अंतरिक्ष प्रणाली और इकाइयों का परीक्षण किया था।

भविष्य के मिशन

- **नासा का वीनस मिशन:** शुक्र के वायुमंडल और भूवैज्ञानिक विशेषताओं का अध्ययन करने के लिए दो मिशन 2028 और 2030 के बीच लॉन्च किए जाने की योजना है।
- **वेरिटास (2026) :** नासा का मिशन शुक्र की सतह का मानचित्रण करने और भूविज्ञान का अध्ययन करने के लिए रडार इमेजिंग पर केंद्रित होगा।
- **दाविंची (2026) :** इस मिशन का उद्देश्य एक अवरोही क्षेत्र के माध्यम से शुक्र के वायुमंडल की जांच करना है।
- **एनविज़न (2030) :** ईएसए का मिशन शुक्र की सतह की विशेषताओं के उच्च-रिज़ॉल्यूशन मानचित्र तैयार करेगा और भूवैज्ञानिक जानकारी प्रदान करेगा।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 September, 2024

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट

संदर्भ: *हाल ही में जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से पता चलता है कि बेरोजगारी दर स्थिर बनी हुई है।*

➢ **अवलोकन:**

- पीएलएफएस ने जुलाई 2023 से जून 2024 तक बेरोजगारी दर में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होने की सूचना दी है।
- कृषि क्षेत्र में रोजगार में मामूली वृद्धि हुई है, जबकि विनिर्माण क्षेत्र में पिछले वर्षों की तुलना में कोई रोजगार वृद्धि नहीं हुई है।

➢ **पीएलएफएस के बारे में**

- **लॉन्च:** 2017
- **जारीकर्ता :** राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ)

➢ **पीएलएफएस के उद्देश्य**

- अल्पकालिक रोजगार संकेतक : 'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' (सीडब्ल्यूएस) पद्धति का उपयोग करके शहरी क्षेत्रों के लिए हर तीन महीने में श्रमिक जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर और बेरोजगारी दर जैसे प्रमुख संकेतकों का अनुमान लगाया जाता ह।
- व्यापक वार्षिक आंकड़े : वार्षिक आधार पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 'सामान्य स्थिति' और सीडब्ल्यूएस दोनों में रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों के अनुमान प्रदान करते हैं।

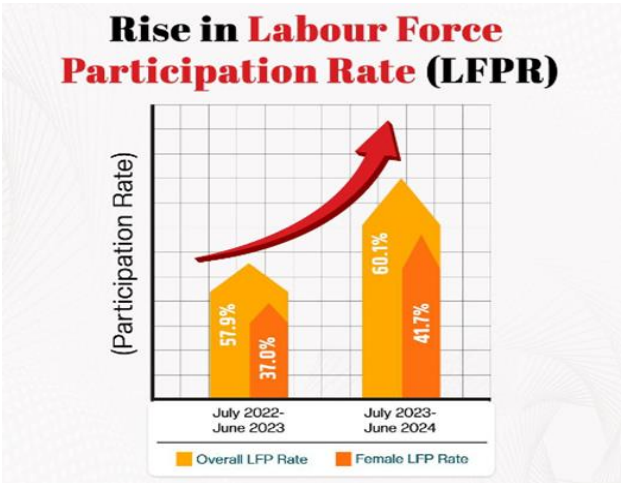

प्रमुख संकेतक	2022-23	2023-24	प्रवृत्तियाँ
श्रम बल भागीदारी दर (LFPR)			
कुल	57.90%	60.10%	कुल मिलाकर बढ़ रही है, ग्रामीण: 50.7% से बढ़कर 63.7%
पुरुष	78.80%		
महिला	37.00%	41.70%	कुल मिलाकर बढ़ रही है, शहरी: 47.6% से बढ़कर 52.0%
कार्यकर्ता जनसंख्या अनुपात (WPR)			
कुल	56.00%	58.20%	कुल मिलाकर बढ़ रही है, ग्रामीण: 48.1% से बढ़कर 62.1%
पुरुष	76.30%		
महिला	35.90%	40.30%	
बेरोजगारी दर (UR)			
कुल	3.20%	3.20%	कुल मिलाकर स्थिर; ग्रामीण में कमी: 5.3% से 2.5%
पुरुष	3.30%	3.20%	शहरी में कमी: 7.7% से 5.1%
महिला	2.90%	3.20%	

➢ **प्रमुख संकेतकों की व्याख्या**

- **LFPR** जनसंख्या में काम करने वाले या काम की तलाश करने वाले लोगों का प्रतिशत
- **WPR** जनसंख्या में कार्यरत व्यक्तियों का प्रतिशत
- **UR** श्रम बल में बेरोजगार व्यक्तियों का प्रतिशत

➢ **रोजगार से संबंधित सरकारी पहल**

- रोज़गार मेला
- स्टार्ट अप इंडिया योजना
- पीएम-दक्ष (प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता संपन्न हितग्राही)
- आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए पर पड़े व्यक्तियों के लिए सहायता (SMILE)
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए)
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)

बेरोजगारी के प्रकार

बेरोज़गारी का प्रकार	विवरण
छिपी हुई बेरोजगारी	कृषि और असंगठित क्षेत्रों में आवश्यकता से अधिक लोग कार्यरत हैं, जो आम बात है।
मौसमी बेरोजगारी	यह रोग विशिष्ट मौसमों में होता है तथा कृषि मजदूरों को प्रभावित करता है।
संरचनात्मक बेरोजगारी	उपलब्ध नौकरियों और श्रमिकों के कौशल के बीच बेमेल के परिणामस्वरूप ऐसा होता है।
चक्रीय बेरोजगारी	आर्थिक चक्रों से जुड़ा; मंदी के दौरान बढ़ता है और विकास काल में गिरावट आती है।
तकनीकी बेरोज़गारी	तकनीकी प्रगति, विशेषकर स्वचालन के कारण नौकरियों का नुकसान।
प्रतिरोधात्मक रोजगार	नौकरी परिवर्तन के दौरान अस्थायी बेरोजगारी; प्रायः स्वैच्छिक।
असुरक्षित रोज़गार	अनौपचारिक, असुरक्षित कार्य जिसके परिणामस्वरूप अलिखित रोजगार प्राप्त होता है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी)

संदर्भ: *हाल ही में, राष्ट्रपति ने 16वीं ASOSAI असेंबली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में CAG की भूमिका पर जोर दिया।*

➢ **अवलोकन:**

- भारत के राष्ट्रपति ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा आयोजित 16वीं एएसओएसएआई सभा के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।
- राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि सार्वजनिक क्षेत्र के ऑडिट अब कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावशीलता का आकलन करते हैं तथा प्रौद्योगिकी के अनुकूल होते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 September, 2024

सीएजी के बारे में

- **स्वतंत्र प्राधिकरण**
- **संवैधानिक निकाय :** पूरे देश में वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करता है।
- **सार्वजनिक खजाने का संरक्षक :** भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग का प्रमुख।

कार्य

- **व्यापक लेखा परीक्षा :** वित्तीय कानूनों और विनियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लेखा परीक्षा आयोजित करता है।
- भारत और राज्यों की समेकित निधि से खातों का लेखा-परीक्षण करता है।
- राष्ट्रपति को लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करता है, जो उन्हें संसद में प्रस्तुत करता है।

जवाबदेही और पारदर्शिता

- **जवाबदेही को बढ़ावा देता है :** सरकारी वित्तीय परिचालनों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- **कुप्रबंधन की रोकथाम :** भ्रष्टाचार को रोकने और सार्वजनिक धन का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने में सहायता करता है।

नियुक्ति एवं कार्यकाल

- **नियुक्ति :** CAG की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- **शपथ :** पदभार ग्रहण करने से पहले, CAG संविधान की रक्षा करने और निष्पक्षता से अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ लेता है।
- **कार्यकाल :** सीएजी का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता है।

इस्तीफा और निष्कासन

- सीएजी राष्ट्रपति को संबोधित कर इस्तीफा दे सकते हैं।
- राष्ट्रपति द्वारा उन्हें हटाया जाना संभव है, तथा इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया ही अपनाई जाती है।

भूमिकाएं और कर्तव्य

- संविधान और वित्तीय कानूनों का पालन सुनिश्चित करें।
- लेखापरीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से संसद के प्रति कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करना।
- संसद के एजेंट के रूप में कार्य करना, सरकारी व्यय का लेखा-परीक्षण करना।

संवैधानिक प्रावधान

- अनुच्छेद 148 से 151 सीएजी के कार्यों और शक्तियों को नियंत्रित करते हैं:
  1) **अनुच्छेद 148 :** नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की स्थापना।
  2) **अनुच्छेद 149 :** नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कर्तव्य एवं शक्तियां।
  3) **अनुच्छेद 150 :** संघ और राज्यों के लिए लेखाओं का प्ररूप।
  4) **अनुच्छेद 151 :** लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

शक्ति:

- लेखापरीक्षा के अधीन कार्यालयों और विभागों का निरीक्षण करना।
- लेन-देन की जांच करें और संबंधित कर्मियों से पूछताछ करना।
- लेखापरीक्षित संस्थाओं से रिकॉर्ड और दस्तावेज मंगाना।

रिपोर्टें

- सीएजी राष्ट्रपति को तीन मुख्य लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करता है:
- विनियोग खातों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट
- वित्त खातों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट
- सार्वजनिक उपक्रमों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट

ऑडिट का प्रकार	परिभाषा
कानूनी और नियामक	यह जांच की जाती है कि क्या व्यय कानूनी रूप से स्वीकार्य है और शासन प्राधिकरण के अनुरूप है।
औचित्य लेखापरीक्षा	व्यय की बुद्धिमत्ता और मितव्ययिता का मूल्यांकन करना, तथा अपव्यय पर टिप्पणी करना।
निष्पादन लेखापरीक्षा	सार्वजनिक निधि के उपयोग की दक्षता और प्रभावशीलता का आकलन करता है, विशेष रूप से विकास कार्यक्रमों में।

सीमाएँ

- **कार्योत्तर भूमिका :** CAG व्यय होने के बाद लेखापरीक्षा करता है, जिससे सक्रिय वित्तीय नियंत्रण सीमित हो जाता है।
- **सीमित दायरा :** कुछ व्ययों और संगठनों की लेखापरीक्षा में प्रतिबंध है।
- **पहुँच संबंधी चुनौतियाँ :** लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक अभिलेख प्राप्त करने में व्यावहारिक कठिनाइयाँ।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अभ्यास अल-नजाह 5

हाल ही में, भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास अल-नजाह 5 - 2024 ओमान में शुरू हुआ।

अभ्यास अल-नजाह 5 के बारे में:

- अल-नजाह 5 भारतीय सेना और ओमान की शाही सेना के बीच आयोजित एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना है।
- यह अभ्यास 13 सितंबर से 26 सितंबर 2024 तक ओमान के रबकूट प्रशिक्षण क्षेत्र में हो रहा है।
- भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व 60 कर्मियों की टुकड़ी द्वारा किया जाता है, जिसमें मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट की एक बटालियन के साथ-साथ अन्य हथियारों और सेवाओं के कर्मी शामिल हैं।
- प्रशिक्षण में कई तरह की गतिविधियाँ शामिल हैं, जिनमें युद्ध प्राथमिक चिकित्सा, हताहतों को निकालना, हथियार संभालना, काउंटर-ड्रोन अभ्यास, रिफ्लेक्स फायरिंग, क्लोज-क्वार्टर लड़ाई और असॉल्ट राइफल्स, स्नाइपर्स, पिस्तौल और लाइट मशीन गन (एलएमजी) के साथ हथियार प्रशिक्षण शामिल हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

शहरी गरीबी

हाल ही में, केंद्र सरकार ने शहरी गरीबी उन्मूलन के लिए एक कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसका पायलट प्रोजेक्ट 1 अक्टूबर को 25 शहरों में शुरू किया जाएगा, इसमें औद्योगिक केंद्र, प्रवासी केंद्र, आकांक्षी जिले और बंदरगाह शहर शामिल हैं।

शहरी गरीबी के बारे में:

- शहरी गरीबी शहरी क्षेत्रों में गरीबी के बहुआयामी मुद्दे को संदर्भित करती है, जिसकी विशेषता न केवल कम आय है, बल्कि आवास, बुनियादी सेवाओं, बुनियादी ढांचे, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच की कमी भी है।
- शहरी गरीबी अक्सर झुग्गियों, अनौपचारिक बस्तियों, आश्रय से वंचित और बिगड़ती जीवन स्थितियों के अस्तित्व से जुड़ी होती है।
- UN-HABITAT के अनुसार, दुनिया की 60% झुग्गी आबादी एशिया में रहती है, जो इसे इस क्षेत्र में एक गंभीर चिंता का विषय बनाती है।
- बेहतर आजीविका के अवसरों की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पलायन शहरों में भीड़भाड़ की ओर ले जाता है।
- भारत में, शहरी गरीबी ग्रामीण क्षेत्रों में अपर्याप्त बुनियादी ढांचे से निकटता से जुड़ी हुई है, जिससे लोगों को काम की तलाश में शहरों में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।
- भारत सरकार ने किफायती आवास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की हैं, जैसे दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM), अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (AMRUT), प्रधानमंत्री आवास योजना (सभी के लिए आवास - शहरी) और जल जीवन मिशन शहरी, शहरी क्षेत्रों में सभी घरों में पानी की आपूर्ति की सार्वभौमिक कवरेज सुनिश्चित करता है।

मनरेगा

हाल ही में, पश्चिम बंगाल में 4,700 से अधिक MGNREGS श्रमिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिसंबर 2021 से निलंबित इस योजना को फिर से शुरू करने का आग्रह किया।

मनरेगा के बारे में:

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS) दुनिया के सबसे बड़े कार्य गारंटी कार्यक्रमों में से एक है।
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) को ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 2005 में शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य सार्वजनिक कार्य करने के इच्छुक ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को प्रतिवर्ष 100 दिनों के अकुशल शारीरिक कार्य की कानूनी गारंटी प्रदान करना है।
- यह 15 दिनों के भीतर काम की कानूनी गारंटी भी प्रदान करता है, यह अनिवार्य करता है कि लाभार्थियों में से एक तिहाई महिलाएँ हों, और सभी निष्पादित कार्यों के लिए सामाजिक लेखा-परीक्षण की आवश्यकता होती है।
- मनरेगा लाभ प्राप्त करने के लिए, आवेदक को भारतीय नागरिक होना चाहिए, कम से कम 18 वर्ष का होना चाहिए, ग्रामीण परिवार से संबंधित होना चाहिए, और अकुशल कार्य करने के लिए इच्छुक होना चाहिए।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय राज्य सरकारों के सहयोग से मनरेगा के संपूर्ण कार्यान्वयन की निगरानी करता है।
- मनरेगा के तहत, अमृत सरोवर पहल प्रति जिले 75 तालाबों का निर्माण करती है, जलदूत ऐप ग्राम पंचायतों में जल स्तर को मापता है और लोकपाल ऐप योजना कार्यान्वयन से संबंधित शिकायतों का समाधान करता है।
- इसने 11.37 करोड़ परिवारों को रोजगार प्रदान किया, जिसमें 56.19% महिलाएं, 19.75% अनुसूचित जाति (एससी) और 17.47% अनुसूचित जनजाति (एसटी) शामिल हैं।

समाचार में स्थान

इज़राइल

हाल ही में, इज़राइल पुणे के औंध में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आठ दिवसीय भर्ती अभियान चला रहा है, जिसमें 10,000 कुशल भारतीय श्रमिकों की तलाश की जा रही है।

इज़राइल (राजधानी: यरुशलम)

स्थान: इज़राइल भूमध्य सागर के पूर्वी तट के साथ पश्चिमी एशिया के दक्षिणी लेवेंट क्षेत्र में स्थित है।

राजनीतिक सीमाएँ: इज़राइल जॉर्डन (पूर्व), भूमध्य सागर (पश्चिम), लेबनान (उत्तर), सीरिया (उत्तर-पूर्व) और मिस्र (दक्षिण-पश्चिम) के साथ अपनी सीमाएँ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- इज़राइल का सबसे ऊँचा स्थान माउंट हरमोन है, जो देश के उत्तरी भाग में स्थित है।
- इज़राइल की प्रमुख नदियाँ जॉर्डन नदी हैं, जो जॉर्डन के साथ सीमा का हिस्सा बनाती है, और यार्कन नदी, जो मध्य इज़राइल से होकर भूमध्य सागर में बहती है।
- देश में कई पर्वत श्रृंखलाएँ हैं, जिनमें उत्तर में गैलिली, कार्मेल और गोलान हाइट्स शामिल हैं।

सदस्यता: इज़राइल कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है, जिनमें संयुक्त राष्ट्र (यूएन), विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- कौन सा रॉकेट शुक्रयान 1 मिशन लॉन्च करेगा? – **जीएसएलवी एमके II**
- भारत और अमेरिका द्वारा स्थापित किए जा रहे सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट का नाम क्या है? – **शक्ति**
- भविष्य के लिए संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में अपनाए गए समझौते का नाम क्या है? – **भविष्य के लिए समझौता**
- कैंसर मूनशॉट पहल का प्राथमिक लक्ष्य क्या है? – **कैंसर देखभाल को मजबूत करें**
- सीजीटीएमएसई की स्थापना कब हुई? – **वर्ष 2000**